हिंदी

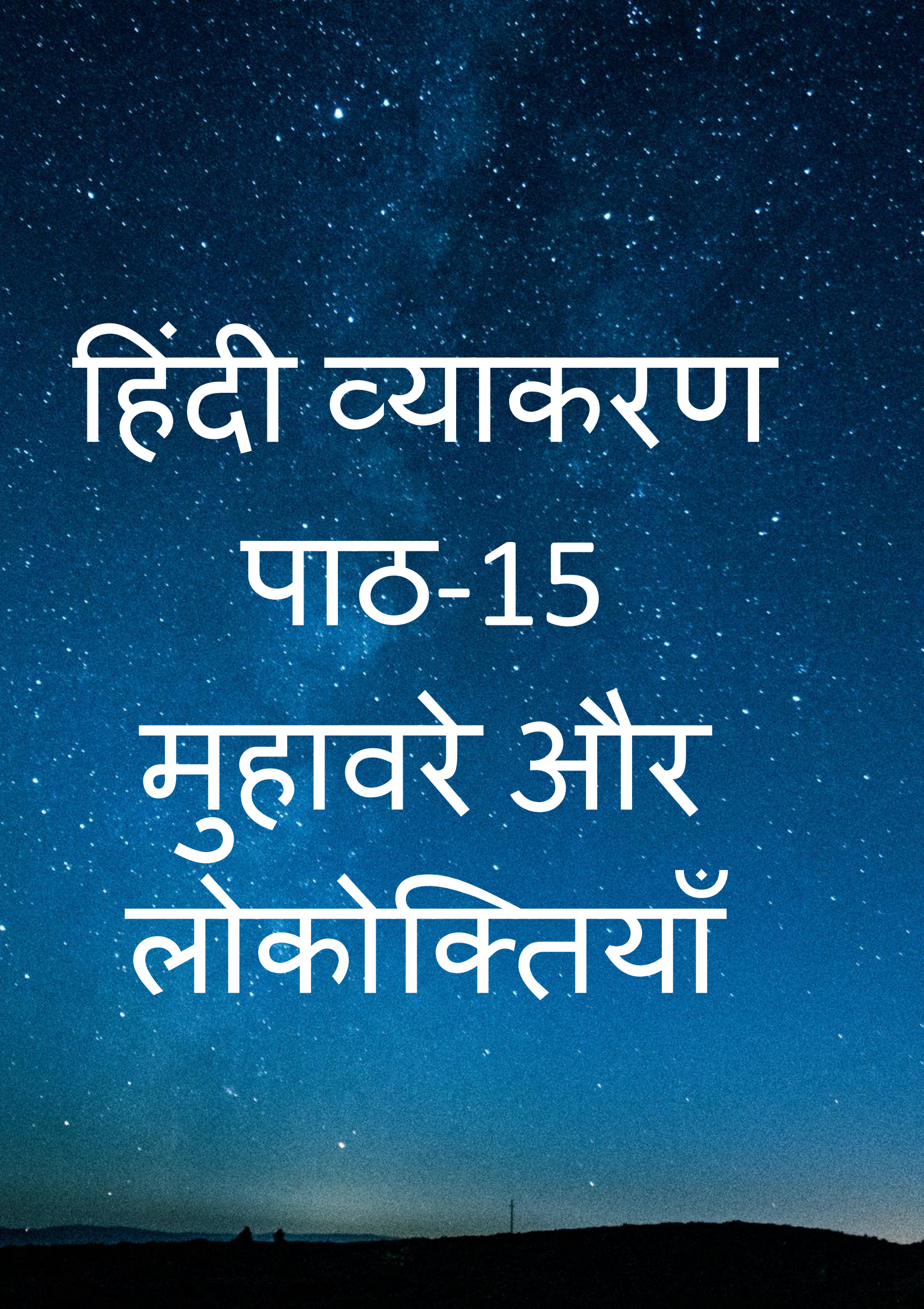
हिंदी व्याकरण
पाठ-15
मुहावरे और
लोकोक्तियाँ

आओ करें

ज़रा बताइए तो

- मुहावरों की क्या विशेषता होती है?
- मुहावरे वाक्य होते हैं या वाक्यांश?
- 'नाकों चने चबवाना' मुहावरे का अर्थ बताइए।

आइए, अब लिखें

1. दिए गए चित्रों के लिए एक-एक मुहावरा लिखिए–

दाँतों तले उँगली दबाना

घी के दीये जलाना

अकल का दुश्मन

2. निम्नलिखित मुहावरों के उचित अर्थ लिखिए–

(क) ठोकरें खाना – कष्ट सहना

(ख) बाल बाँका न होना – सुरक्षित रहना

(ग) छक्के छुड़ाना – बुरी तरह हराना

(घ) लाल-पीला होना – बहुत गुस्सा होना

(ङ) कान भरना – चुगली करना

3. उचित मुहावरों द्वारा खाली स्थान भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

अंग-अंग ढीला होना छक्के छुड़ाना नमक-मिर्च लगाना
नाक में दम करना नौ दो ग्यारह होना

(क) हवलदार को अपनी ओर आते देख चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

(ख) अमन ने शिक्षक से मेरी शिकायत नमक-मिर्च लगाकर की।

(ग) सारा दिन चलते-चलते हमारा अंग-अंग ढीला हो गया।

(घ) भारतीय सेना ने युद्ध में शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए।

(ङ) छुट्टियों में बच्चों ने सबकी नाक में दम कर दिया।

4. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) लोहा लेना भारत के जवान हमेशा लोहा लेने के लिए तैयार खड़े हैं।

(ख) नौ दो ग्यारह होना पुलिस के पहुँचने से पहले बैंक में आए चोर नौ दो ग्यारह हो गए।

(ग) अगर-मगर करना अक्षत को बाज़ार से सब्जी लाने के लिए कहा गया तो वह अगर-मगर करने लगा।

(घ) दाल न गलना उसने मुझे फुसलाने की बहुत कोशिश की पर मेरे आगे उसकी दाल न गली।

(ङ) भीगी बिल्ली बनना राजेश ने पुलिस को देखा तो वह भीगी बिल्ली बन गया।

ज़रा सोचिए तो

- 'चादर तानकर सोना', 'अंधे की लाठी' और 'गुदड़ी का लाल'–इन मुहावरों का वाक्य-प्रयोग कर अर्थ बताइए।

आइए, अब लिखें

1. उचित लोकोक्ति द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

(क) बिना डाँट खाए कोमल कोई काम नहीं करती। किसी ने ठीक ही कहा है लातों के भूत बातों से नहीं मानते।

(ख) पूरे साल दुकान चलाने के बाद केवल दस हज़ार मुनाफ़ा हुआ, यह तो ऊँची दुकान फीका पकवान वाली बात हो गई।

(ग) उसे उपहार में पुस्तक दे रहे हो, उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।

(घ) प्रवीण कुमार गणित के प्रसिद्ध शिक्षक हैं, सभी बच्चे उनसे ही पढ़ना चाहते हैं। यह तो वही बात हुई एक अनार सौ बीमार।

(ङ) तुमने ही पुस्तक फाड़ी और दोष छोटी बहन पर लगा रहे हो। यह तो उलटा चोर कोतवाल को डाँटे वाली बात हो गई।

2. नीचे दिए गए चित्रों के लिए उपयुक्त लोकोक्तियाँ लिखिए–

(क)

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

(ख)

उलटा चोर कोतवाल को डाँटे

(ग)

नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(घ)

पाँचों उंगलियाँ घी में होना

3. लोकोक्ति को उसके अर्थ से मिलाइए–

(क) चिराग तले अँधेरा	(*i*) बिलकुल अनपढ़ होना
(ख) ऊँची दुकान फीका पकवान	(*ii*) ज़बरदस्ती गले पड़ना
(ग) काला अक्षर भैंस बराबर	(*iii*) एक वस्तु, अनेक इच्छुक
(घ) मान न मान, मैं तेरा मेहमान	(*iv*) काम कम, दिखावा अधिक
(ङ) एक अनार सौ बीमार	(*v*) अपना दोष न दिखना

ज़रा सोचिए तो

- अपने घर-परिवार में दैनिक जीवन में बोली जाने वाली लोकोक्तियाँ बताइए।

करके देखिए

- यहाँ मुहावरों के अर्थ उनके मूल अर्थ से भिन्न दिए गए हैं। इन्हें पढ़कर आनंद लीजिए। दर्शाए गए चित्रों की सहायता से मूल मुहावरे और उनके अर्थ लिखिए।

परीक्षा के निकट होने पर भी न पढ़ना।

परीक्षा में धीरे से नकल कर लेना

प्रश्न-पत्र को देखकर घबराना

मित्र की नकल में मदद करना

पहली बार परीक्षा में पास होना

प्रतियोगिता में बुरी तरह हराना

- अपनी उत्तर-पुस्तिका में शरीर के विभिन्न अंगों से संबंधित मुहावरे लिखिए तथा उनसे संबंधित रंगीन चित्र भी चिपकाइए।

अनुच्छेद लेखन

Date __/__/____

कंप्यूटर है निराला

आज का युग कंप्यूटर का युग है। हमारे जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जो कंप्यूटर से अछूता रह गया हो। बैंक, दफ़्तर, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, रेलवे स्टेशन कहीं भी जाइए, कंप्यूटर के दर्शन अवश्य हो जाएँगे। इसके द्वारा सभी कार्य इतनी तीव्रता, शुद्धता और स्पष्टता के साथ होते हैं कि "सुपर मैन" को भी पीछे छोड़ सकता है। कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण सभी को इसका ज्ञान होना आवश्यक हो गया है। कंप्यूटर पर इंटरनेट की सहायता से बच्चे अपनी पढ़ाई से संबंधित कोई भी जानकारी चुटकी बजाते ही हासिल कर लेते हैं। चिकित्सा एवं भवन निर्माण के क्षेत्र में भी कंप्यूटर ने बहुत योगदान दिया है। बड़ी-बड़ी बीमारियों की जाँच और इलाज के लिए डॉक्टर कंप्यूटर की सहायता लेते हैं। बैंकों तथा अन्य कार्यालयों में दस्तावेज़ों को संभालने के लिए कंप्यूटर का प्रयोग किया जाता है। कंप्यूटर का प्रयोग करना कठिन नहीं है, अपितु अत्यंत सरल है। कंप्यूटर आज के युग की प्रमुख आवश्यकता है, अतः हम सभी को इसे अपनाना चाहिए और इसका सही उपयोग करना चाहिए।

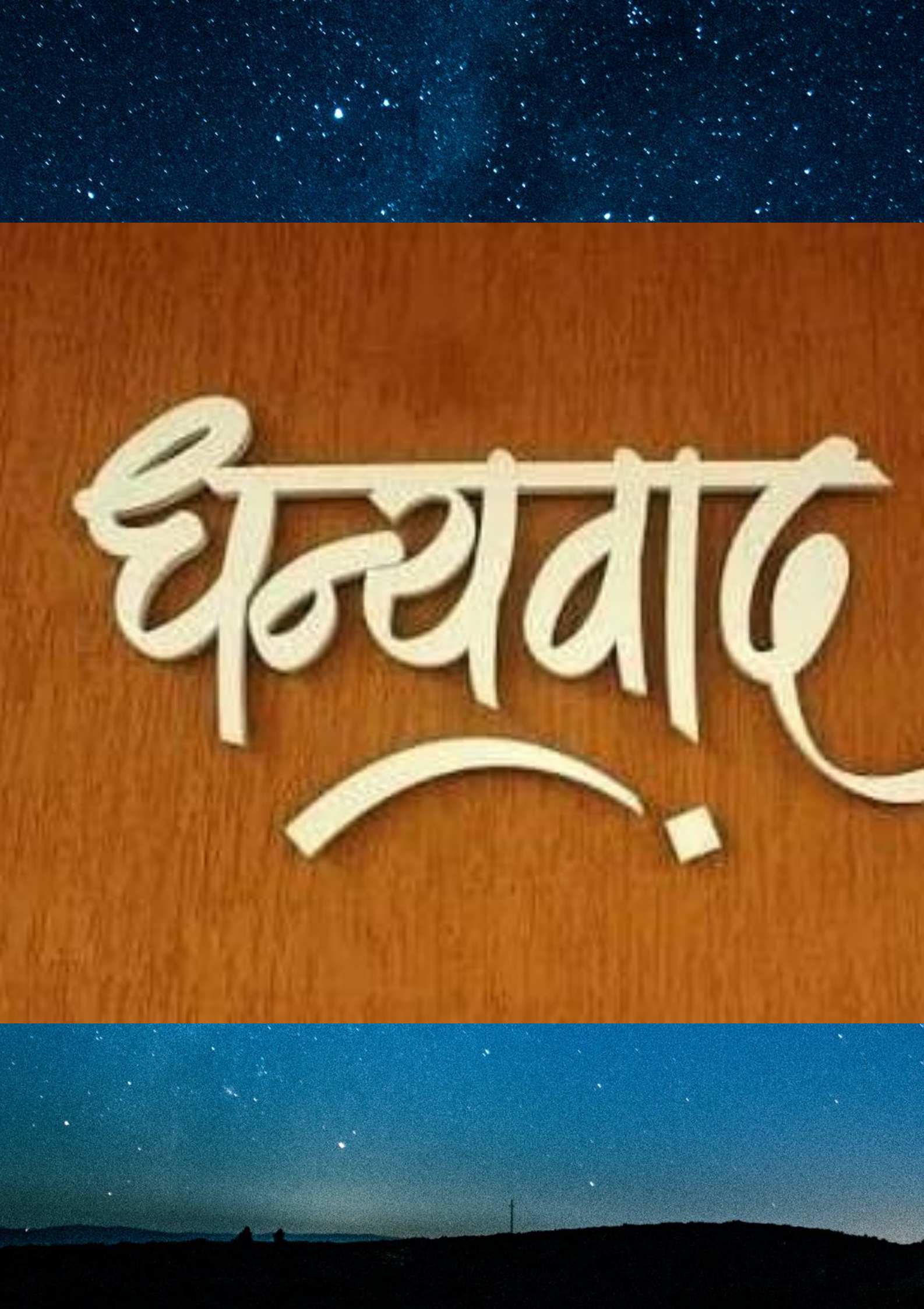
धन्यवाद